पेड्डी के लिये राम चरण ने की कड़ी मेहनत

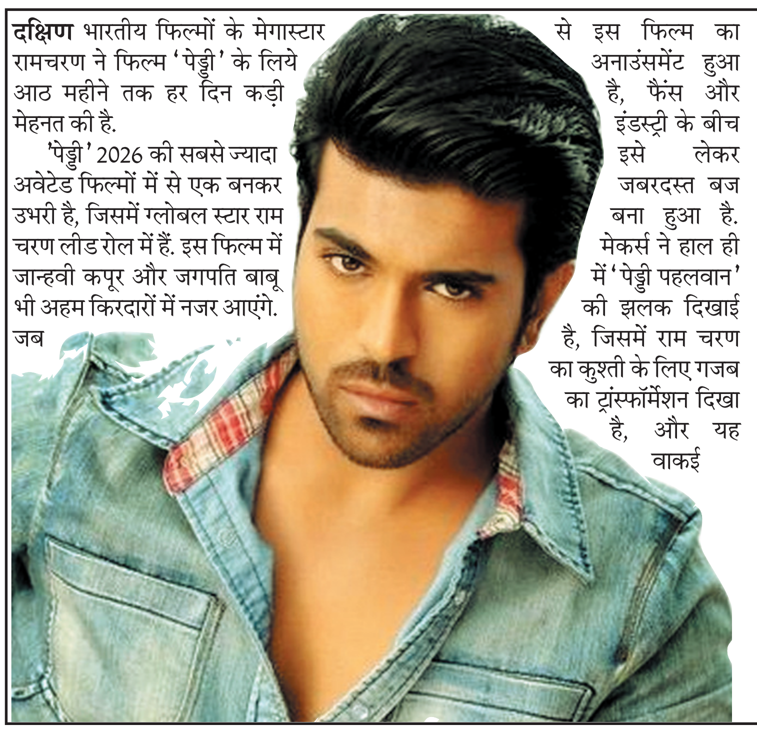

दक्षिण भारतीय फिल्मों के मेगास्टार रामचरण ने फिल्म 'पेड्डी' के लिये आठ महीने तक हर दिन कड़ी मेहनत की है.

'पेड्डी' 2026 की सबसे ज्यादा अवेटेड फिल्मों में से एक बनकर उभरी है, जिसमें ग्लोबल स्टार राम चरण लीड रोल में हैं. इस फिल्म में जान्हवी कपूर और जगपति बाबू भी अहम किरदारों में नजर आएंगे. जब से इस फिल्म का अनाउंसमेंट हुआ है, फैंस और इंडस्ट्री के बीच इसे लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है. मेकर्स ने हाल ही में 'पेड्डी पहलवान' की झलक दिखाई है, जिसमें राम चरण का कुश्ती के लिए गजब का ट्रांस्फॉर्मेशन दिखा है, और यह वाकई इंडस्ट्री के सबसे बेहतरीन ट्रांस्फॉर्मेशन्स में से एक है. जहां हम राम चरण को एकदम अलग फिजीक में देख रहे हैं, वहीं निर्देशक बुच्ची बाबू सना ने उनके इस सफर के बारे में बताया है.

बुच्ची बाबू सना ने रामचरण के इस नए लुक के पीछे की ट्रेनिंग के बारे में डिटेल में बताया. उन्होंने कहा, 'रामचरण ने बहुत मेहनत की है, एक पहलवान जैसी बॉडी पाने के लिए लगभग आठ महीने तक हर दिन ट्रेनिंग की. उनका अनुशासन सिर्फ ट्रेनिंग तक ही सीमित नहीं था, अयप्पा दीक्षा के दौरान उन्होंने मांसाहारी खाने से भी पूरी तरह दूरी बनाए रखी.' बुच्ची बाबू सना ने बताया, 'हर पहलवान ट्रेनिंग के लिए मुग्दर का इस्तेमाल करता है. 'पेड्डी' में उनके किरदार का गदा के साथ एक गहरा जुड़ाव है, जिसे वे अपने वर्कआउट के हिस्से के रूप में इस्तेमाल करते हैं. उन्होंने इसके साथ जमकर ट्रेनिंग की है, और फाइट सीक्वेंसेस में भी इसका इस्तेमाल मिट्टी और पारंपरिक कुश्ती के सेटअप के साथ दिखाया गया है.'

बुची बाबू सना द्वारा लिखित और निर्देशित 'पेड्डी' ,वेंकट सतीश किलारु द्वारा उनके बैनर 'वृद्धि सिनेमाज' के तहत और मशहूर प्रोडक्शन हाउस 'माइथ्री मूवी मेकर्स' के सहयोग से प्रोड्यूस की गई है. यह फिल्म 30 अप्रैल, 2026 को रिलीज होने वाली है.

फिल्म तू या मैं अप्रैल में होगी रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता आदर्श गौरव की फिल्म 'तू या मैं' 10 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ होगी.

अभिनेता आदर्श गौरव इस बात को लेकर काफी उत्साहित हैं कि फिल्म तू या मैं अब थिएटर के बाद एक नए दर्शक वर्ग तक पहुंचेगी. उनका मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म फिल्मों को एक नई ज़िंदगी देता है, जिससे वे उन लोगों तक भी पहुंच पाती हैं जो सिनेमाघरों में इसे नहीं देख पाए थे.पहले ही रिलीज़ के दौरान सराहना पाने के बाद, तू या मैं अब नए नज़रिए और चर्चाओं के लिए तैयार है.

आदर्श गौरव ने कहा, 'जब किसी फिल्म को ओटीटी पर दूसरी ज़िंदगी मिलती है, तो वह हमेशा रोमांचक होता है. नेटफ्लिक्स के साथ इसकी पहुंच बहुत बड़ी है, और मैं उत्सुक हूं यह देखने के लिए कि दुनियाभर के दर्शक 'तू या मैं' पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं. कई बार लोग घर के आराम में फिल्म देखते हैं, जिससे उनका कहानी और किरदारों से जुड़ाव और गहरा हो जाता है. मुझे लगता है कि हमें एक नई तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिलेंगी, और यह मेरे लिए बेहद खास है. ओटीटी किसी भी फिल्म के लिए नए आयाम खोलता है, और मैं आभारी हूं कि हमारे काम को दोबारा देखने और सराहने का मौका मिल रहा है.'

सोशल दबाव छोड़ें, खुद को चुनें : कुब्रा सैत

बॉलीवुड अभिनेत्री कुब्रा सैत ने आदर्श शारीरिक बनावट को लेकर सोशल मीडिया पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा है कि लोगों को अवास्तविक अपेक्षाओं के पीछे भागने की बजाय खुद को स्वीकार करने पर ध्यान देना चाहिए.

सैत ने सलाह दी, 'असली समस्या सोशल मीडिया नहीं, बल्कि हमारी अपनी असुरक्षा हैं. अगर किसी व्यक्ति का आत्मविश्वास मजबूत है, तो बाहरी कारक उसे ज्यादा प्रभावित नहीं कर सकते.'

उन्होंने आगे बताया कि वह अपनी फिटनेस पर ध्यान देती हैं, लेकिन शरीर में बदलाव नहीं करतीं. हालांकि, उनका मानना है कि हर किसी की अपनी पसंद होती है और किसी को भी दूसरों की आलोचना नहीं करनी चाहिए.

उन्होंने लोगों को दूसरों से अपनी तुलना न करने के लिए प्रोत्साहित किया और कहा कि दूसरों की आलोचना की बजाय, अपने जीवन और सफर पर ध्यान दें.

सैत ने यह भी बताया कि उनके लिए कड़ी मेहनत और अनुशासन बेहद महत्वपूर्ण रहे हैं. हालांकि, मुंबई आना उनके जीवन का एक अहम मोड़ साबित हुआ, जिससे उन्हें अपने सपनों को साकार करने का मौका मिला.

वह डेविड धवन द्वारा निर्देशित फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' की शूटिंग कर रही हैं, जो 5 जून, 2026 को रिलीज होने वाली है.

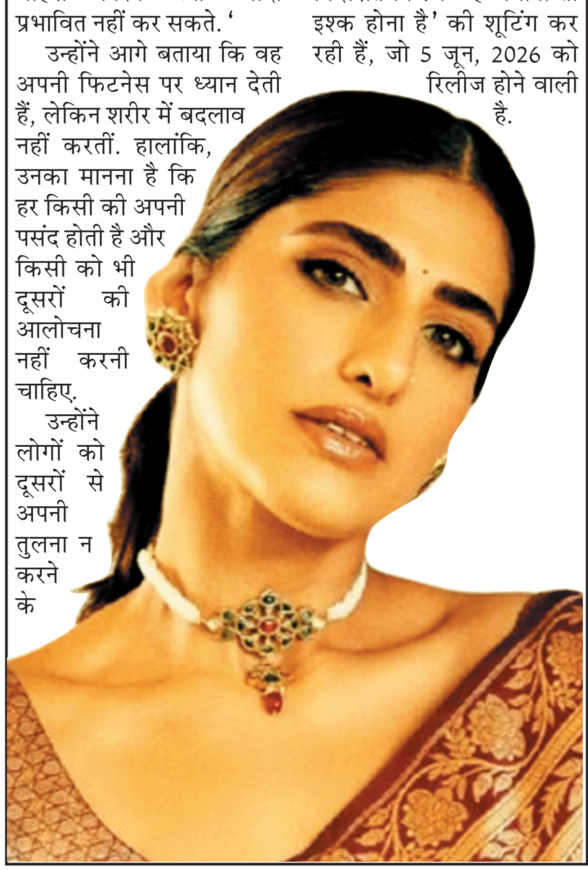

'शाजिया बानो' नाम की असली वजह

सुपर्ण वर्मा ने बताया नाम का सच

फिल्मकार सुपर्ण एस वर्मा के लिए धुरंधर द रिवेंज में यामी गौतम का कैमियो सिर्फ एक झलक नहीं, बल्कि एक छोटा सा सरप्राइज पैकेट निकला.

फिल्म धुरंधर द रिवेंज वैसे ही अपने ट्विस्ट्स के लिए चर्चा में है, लेकिन दर्शकों की नजर खास तौर पर उस छोटे से सीन पर टिक गई, जहां यामी गौतम एक नर्स के किरदार में दिखती हैं. और असली चर्चा का मुद्दा बना उनका नाम शाज़िया बानो.

इस मज़ेदार किस्से को शेयर करते हुए सुपर्ण वर्मा ने कहा, आदित्य धर ने उनकी फिल्म हक़ का कट देखा था. देखने के बाद उन्होंने मुझसे कहा कि उन्होंने एक सरप्राइज शूट किया है. मैंने पूछा क्या, तो उन्होंने कहा, धुरंधर के आखिरी सीन में है. मैंने दोबारा पूछा, 'क्या है?' तो उन्होंने कहा, 'यामी का किरदार. 'मैंने फिर पूछा, 'क्या किरदार 'तो वो बोले, 'अंदाज़ा लगाओ, एक नेमप्लेट!' यह सुनकर मैं हंस पड़ा. मैंने मज़ाक में कहा, 'क्या वो नर्स बनकर मामा का रोल प्ले कर रही हैं?' इस पर वो खूब हंसे और बोले, 'उसका नाम है शाज़िया बानो.' सुपर्ण वर्मा ने कहा,उसी पल उन्हें एहसास हुआ कि दोनों के बीच काम को लेकर एक खास जुड़ाव है. 'हम सच में एक-दूसरे के काम की कद्र करते हैं. ये एक बहुत प्यारा और दिल से किया गया जेस्चर था. शायद यामी की मेहनत और हक़ में उनके 'शाज़िया बानो' वाले किरदार के लिए.'

'स्वयंभू' के लिए सालों की गहन रिसर्च

निर्देशक भरत कृष्णमाचारी का कहना है कि फिल्म 'स्वयंभू' एक सच्ची कहानी पर आधारित है और इसकी प्रामाणिकता बनाए रखने के लिए सालों तक रिसर्च की गई है.

फिल्म 'स्वयंभू' में 'कार्तिकेय 2' फेम निखिल सिद्धार्थ लीड रोल में हैं, सबसे ज्यादा इंतज़ार की जाने वाली फिल्मों में से एक है.निर्देशक भरत कृष्णमाचारी ने कहा कि फिल्म 'स्वयंभू' एक सच्ची कहानी पर आधारित है और इसकी प्रामाणिकता बनाए रखने के लिए सालों तक रिसर्च की गई है. उन्होंने बताया , 'स्वयंभू एक सच्ची घटना पर आधारित है, जिसे हमने सिनेमाई फॉर्मेट में ढालने के लिए कहानी में थोड़े बदलाव किए हैं. हालांकि, हमारा मकसद हमेशा से एक ऐसी कहानी पेश करना रहा है जो हकीकत के जितना मुमकिन हो सके करीब हो. हमने कई सालों तक काफी रिसर्च की है ताकि हम फिल्म में दिखाए गए ऐतिहासिक तथ्यों के प्रति ईमानदार रह सकें.' निर्देशक ने बताया कि यह फिल्म प्राचीन भारत के एक ऐसे नायक के सफर को सामने लाती है, जिसके योगदान ने भारत को एक समृद्ध सांस्कृतिक और व्यापारिक केंद्र बनाने में अहम भूमिका निभाई थी. उन्होंने कहा, 'एक बार जब आप फिल्म देखेंगे, तो आपको उस राजा, साम्राज्य और उस दुनिया का अंदाजा हो जाएगा जिसमें यह कहानी रची गई है. हालांकि, हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती हमारे नायक के सफर को दिखाना था, जो कोई राजा नहीं था. मेरी राय में, वह हमारे अब तक के सबसे बेहतरीन योद्धाओं और युद्ध रणनीतिकारों में से एक है, फिर भी बहुत से लोग उसके बारे में बात नहीं करते हैं. मेरी फिल्म एक तरह से प्राचीन भारत के इस नायक की 'ऑरिजिन स्टोरी' है, जिसने भारत को एक बड़ा सांस्कृतिक और व्यापारिक केंद्र बनाने में बहुत बड़ा योगदान दिया था. स्वयंभू' को पिक्सल स्टूडियोज के भुवन और श्रीकर ने प्रोड्यूस किया है. यह फिल्म समर 2026 में पूरी दुनिया में रिलीज के लिए तैयार है.

इंटरएक्टिव एंगेजमेंट को नया आयाम दिया

मनोरंजन और इंटरएक्टिविटी का अनूठा संगम पेश करते हुए, डिश टीवी इंडिया ने एंडटीवी के साथ साझेदारी की है, जिसके तहत भाबीजी घर पर हैं 2.0 में एक इनोवेटिव इन-शो एंगेजमेंट पहल शुरू की गई है. हंसो खेलो जीतो शीर्षक से यह इंटीग्रेशन कहानी और दर्शकों की भागीदारी को जोड़ते हुए एक अधिक इमर्सिव व्यूइंग अनुभव तैयार करता है, साथ ही ब्रांड कनेक्ट को भी मजबूत बनाता है. इस सहयोग का केंद्र है का स्मार्ट टीवी ब्रांड, जिसे शो की कहानी में सहज रूप से शामिल किया गया है. कंटेक्सचुअल स्टोरीटेलिंग के माध्यम से, प्रोडक्ट फीचर्स को ऑर्गेनिक तरीके से प्रस्तुत किया गया है.

सृष्टि जैन ने दहेज के खिलाफ कड़े रुख पर की बात

ज़ी टीवी का शो गंगा माई की बेटियां, जिसमें अमनदीप सिधू (स्नेहा) और शीज़ान खान (सिद्ध) नजर आ रहे हैं, इस समय अपनी कहानी में एक अहम और समाज से जुड़ा मुद्दा दिखा रहा है. शो में दहेज जैसी पुरानी और गलत प्रथा के खिलाफ साफ रुख लिया गया है. कहानी के जरिए यह दिखाया जा रहा है कि चाहे कितना भी दबाव क्यों न हो, दुल्हन और उसका परिवार अपनी इज्जत से समझौता न करे. आने वाले एपिसोड में दिखाया जाएगा कि गंगा माई (शुभांगी लाटकर) सहाना की सास कौशल्या (गुनाबी मान) की दहेज की मांग को साफ मना कर देती हैं और एक कड़ा संदेश देती हैं कि आत्मसम्मान सबसे जरूरी है. इसी मुद्दे पर सहाना का किरदार निभा रहीं सृष्टि जैन, जो असल जिंदगी में भी जल्द शादी करने जा रही हैं, अपनी बात रखती हैं. सृष्टि जैन कहती हैं, मुझे खुशी है कि हमारा शो दहेज के खिलाफ इतनी साफ और मजबूत बात कर रहा है और दर्शकों तक यह संदेश पहुंचा रहा है कि हर माता-पिता और हर दुल्हन को इतना मजबूत होना चाहिए कि वे ऐसी गलत प्रथाओं के सामने झुकें नहीं. साथ ही, अब जब मैं भी अपनी जिंदगी के प्यार से शादी के बंधन में बंधने जा रही हूं, तो मैं पूरे भरोसे से कह सकती हूं कि हमारे परिवार, करीबी लोग और दोस्त दहेज जैसी सोच में विश्वास नहीं रखते. मेरी नजर में शिक्षा बहुत अहम है, क्योंकि वही आपको यह समझ देती है कि सिर्फ इसलिए किसी चीज को न मानें कि वह पुरानी परंपरा है, बल्कि यह समझें कि वह गलत है और हमारे देश में कानूनन अपराध भी है. यह सच में सोचने वाली बात है.

रोहिताश्व गौर का दिल छू लेने वाला जन्मदिन

अभिनेता रोहिताश्व गौर ने इस साल अपना जन्मदिन भाबीजी घर पर है 2.0 के सेट पर बड़े ही खास अंदाज़ में मनाया. एक सामान्य कामकाजी दिन हंसी, दोस्ती और कृतज्ञता से भरे यादगार जश्न में बदल गया. अपनी शानदार कॉमिक टाइमिंग और लोकप्रिय किरदार के लिए जाने जाने वाले रोहिताश्व को उनके को-स्टार्स और क्रू ने सरप्राइज देकर उनका दिन खास बना दिया. सेट, जो आमतौर पर रिहर्सल और शूटिंग में व्यस्त रहता है, उस दिन मुस्कान, शुभकामनाओं और केक कटिंग के साथ खुशियों से भर गया. अपने अनुभव को साझा करते हुए, मनमोहन तिवारी उर्फ रोहिताश्व गौर ने कहा कि जन्मदिन हमेशा खास होते हैं, लेकिन भाबीजी घर पर है 2.0 के सेट पर इसे मनाना बेहद अनोखा रहा. यह शो मेरे लिए सिर्फ काम नहीं, बल्कि दूसरा घर है और यहां के लोग मेरा परिवार हैं. मैं एक सामान्य शूटिंग दिन की उम्मीद लेकर सेट पर आया था, लेकिन सरप्राइज सेलिब्रेशन ने मेरा दिन बना दिया. मेरे को-स्टार्स ने जिस तरह से इसे खास बनाने की कोशिश की, वह दिल को छू गया. हम साथ में इतना समय बिताते हैं कि अब हम सिर्फ सहकर्मी नहीं रहे- हम हंसते हैं, एक-दूसरे का साथ देते हैं और कई यादें साझा करते हैं. उनके साथ जन्मदिन मनाना परिवार के साथ होने जैसा लगा.

स्टाइल और पावर का कॉम्बो : गुरिल्ला 450

देश की मशहूर दोपहिया निर्माता रॉयल एनफील्ड ने अपनी लोकप्रिय गुरिल्ला 450 को नए अपडेट के साथ पेश किया है. इस बार कंपनी ने इसका नया एपेक्स संस्करण भी बाजार में उतारा है, जो खासतौर पर युवाओं और स्पोर्टी राइड पसंद करने वालों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है.

नई गुरिल्ला 450 में यांत्रिक रूप से कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन इसके डिजाइन और चलाने के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं. एपेक्स संस्करण में हैंडल को पहले के मुकाबले थोड़ा नीचे और आगे की ओर रखा गया है, जिससे चलाते समय चालक की मुद्रा ज्यादा आगे झुकी हुई रहती है. इससे बाइक को नियंत्रित करना और तेज गति पर संतुलन बनाए रखना आसान हो जाता है.

इस मोटरसाइकिल में 452 घन सेंटीमीटर का द्रव-शीतित इंजन दिया गया है, जो लगभग 40 पीएस की शक्ति और 40 न्यूटन मीटर का बल उत्पन्न करता है. इसके साथ छह गति वाला गियर तंत्र दिया गया है, जिसमें फिसलन और सहायक क्लच की सुविधा भी मिलती है. यह संयोजन शहर और लंबी दूरी दोनों तरह की सवारी के लिए उपयुक्त माना जा रहा है.

सस्पेंशन की बात करें तो आगे की ओर 43 मिलीमीटर का दूरबीन जैसा सस्पेंशन और पीछे की ओर लिंक प्रकार का मोनोशॉक सस्पेंशन दिया गया है, जो खराब सड़कों पर भी आरामदायक सवारी सुनिश्चित करता है. सुरक्षा के लिए आगे और पीछे दोनों पहियों में डिस्क ब्रेक के साथ दोहरे चैनल वाला एबीएस भी दिया गया है.

बाइक में चार इंच की टीएफटी स्क्रीन दी गई है, जिसमें नक्शा मार्गदर्शन की सुविधा मिलती है. इसके अलावा दूरभाष संयोजन, यूएसबी प्रकार-सी चार्जिंग और दो अलग-अलग राइडिंग मोड भी दिए गए हैं.

छोटी कार, बड़ी ताकत में बीवायडी एटो वन

चीन की प्रमुख वाहन निर्माता बीवायडी ने अपनी सबसे छोटी इलेक्ट्रिक कार एटो 1 को वैश्विक बाजार में नए अंदाज में पेश किया है. इस कार को खासतौर पर शहरों में चलाने के लिए तैयार किया गया है, जहां कम जगह, ज्यादा ट्रैफिक और बेहतर माइलेज की जरूरत होती है. किफायती कीमत, आधुनिक सुविधाएं और आकर्षक डिजाइन के कारण यह कार तेजी से चर्चा में आ गई है.

एटो 1 को थाईलैंड में आयोजित मोटर शो के दौरान लॉन्च किया गया, जहां इसकी शुरुआती कीमत लगभग 12 लाख रुपये के आसपास रखी गई है, जबकि इसके उच्च संस्करण की कीमत करीब 13 लाख रुपये तक जाती है. यह कार चार अलग-अलग रंग विकल्पों में उपलब्ध है और अपने कॉम्पैक्ट आकार के कारण भीड़भाड़ वाले शहरों के लिए एक उपयुक्त विकल्प मानी जा रही है.

आकार की बात करें तो यह चार मीटर से छोटी कार है, जिसकी लंबाई लगभग 3925 मिलीमीटर, चौड़ाई 1720 मिलीमीटर और ऊंचाई 1590 मिलीमीटर है. इसका व्हीलबेस 2500 मिलीमीटर है, जिससे अंदर बैठने वालों को पर्याप्त जगह मिलती है. कार के बाहरी हिस्से में एलईडी हेडलाइट, दिन में जलने वाली लाइट, पीछे का स्पॉयलर और आकर्षक छत डिजाइन दिया गया है, जो इसे आधुनिक और स्पोर्टी लुक देता है.

अंदरूनी हिस्से में भी यह कार किसी से कम नहीं है. इसमें डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और बड़ा टच स्क्रीन सिस्टम दिया गया है, जो मोबाइल कनेक्टिविटी के साथ आता है. इसके अलावा स्वचालित तापमान नियंत्रण, चमड़े की सीटें और पीछे देखने के लिए कैमरा जैसी सुविधाएं भी मौजूद हैं, जो इसे आरामदायक और सुविधाजनक बनाती हैं.

प्रदर्शन के मामले में यह कार काफी प्रभावशाली है. इसमें आगे की ओर लगा इलेक्ट्रिक मोटर दिया गया है, जो लगभग 74 अश्वशक्ति की ताकत और 135 न्यूटन मीटर टॉर्क पैदा करता है.

गर्मियों में कार का रखें खास ध्यान

भारत में गर्मी ने दस्तक दे दी है और तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है. ऐसे मौसम में गाड़ी की सही देखभाल करना बेहद जरूरी हो जाता है, क्योंकि थोड़ी सी लापरवाही भी इंजन को भारी नुकसान पहुंचा सकती है. खासतौर पर इंजन के गर्म होने की समस्या इन दिनों आम हो जाती है, जिसका एक बड़ा कारण रेडिएटर की खराब स्थिति या उसमें जमी गंदगी होती है.

दरअसल, किसी भी गाड़ी में रेडिएटर इंजन को ठंडा रखने का सबसे अहम हिस्सा होता है. यह इंजन से निकलने वाली गर्मी को नियंत्रित करता है और कूलेंट यानी शीतलक द्रव के जरिए तापमान को सामान्य बनाए रखता है. लेकिन जब रेडिएटर में धूल, मिट्टी या गंदगी जमा हो जाती है, तो इसका असर सीधे इसकी कार्यक्षमता पर पड़ता है. ऐसे में इंजन जल्दी गर्म होने लगता है और समय रहते ध्यान न दिया जाए तो इंजन जाम तक हो सकता है.

गर्मियों में यह समस्या और भी ज्यादा बढ़ जाती है. इसलिए जरूरी है कि समय-समय पर

रेडिएटर की जांच और सफाई करवाई जाए. अगर आपकी गाड़ी बार-बार गर्म हो रही है, तो यह संकेत हो सकता है कि रेडिएटर ठीक से काम नहीं कर रहा. इसके अलावा अगर शीतलक द्रव का रंग जल्दी बदल रहा है या इंजन से अजीब सी गंध आ रही है, तो भी सतर्क हो जाना चाहिए.

विशेषज्ञों के अनुसार, रेडिएटर की नियमित सफाई न सिर्फ इंजन को सुरक्षित रखती है, बल्कि लंबे समय में बड़े खर्च से भी बचाती है. क्योंकि अगर इंजन खराब हो जाए, तो उसे ठीक कराने में हजारों से लेकर लाखों रुपये तक खर्च हो सकते हैं. इसलिए छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज करने के बजाय समय रहते गाड़ी की देखभाल करना समझदारी है.

मिड-साइज एसयूवी में डस्टर की वापसी

मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में रेनॉल्ट डस्टर का कमबैक एक नई बहस छेड़ रहा है. क्या यह लोकप्रिय ह्युंडई क्रेटा को टक्कर दे सकती है? पुराने डस्टर की विरासत इस बहस में सबसे बड़ा फायदा साबित हो सकती है. भारत में मूल डस्टर ने मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट को आकार दिया और मजबूत ड्राइविंग क्षमता और मजबूती के लिए एक प्रतिष्ठा बनाई. इसी विरासत ने इस बार डस्टर के लौटने को और अधिक प्रतिष्ठित बना दिया है. ऑटो उत्साही और पुराने प्रशंसक इसे स्वागत कर रहे हैं, जो टाटा सियेरा की वापसी के मुकाबले ज्यादा सकारात्मक प्रतिक्रिया दिखा रही है. नई डस्टर जल्दबाजी में बनाई गई या अधूरी उत्पाद नहीं लगती. रेनॉल्ट ने इसे बड़े विचार के साथ पेश किया है. केबिन में आधुनिक सुविधाओं का अच्छा सेट है और डिज़ाइन भारत के खरीदारों के हिसाब से अनुकूलित किया गया है. मजबूत राइड और हैंडलिंग की पुरानी प्रतिष्ठा अब भी इसकी सबसे बड़ी ताकत बन सकती है, खासकर क्रेटा जैसे प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले.

एक और बड़ा फायदा रेनॉल्ट के लिए हाइब्रिड पावरट्रेन का वादा है. कंपनी ने संकेत दिया है कि इस साल दिवाली तक हाइब्रिड डस्टर लॉन्च होगा. यह कार को भविष्य के लिए तैयार बनाता है, क्योंकि क्रेटा में फिलहाल हाइब्रिड विकल्प नहीं है. हालांकि, क्रेटा का डीज़ल इंजन अभी भी लोकप्रिय है, लेकिन कड़े उत्सर्जन नियमों और डीज़ल से हाइब्रिड की ओर बढ़ते रुझान के चलते नई डस्टर में यह तकनीक अधिक प्रासंगिक हो सकती है.

हालांकि, डस्टर हर मामले में पूर्ण विकल्प नहीं हो सकती. रेनॉल्ट का डीलरशिप और सर्विस नेटवर्क ह्युंडई की तुलना में छोटा है. इसके बावजूद, नई डस्टर एक ईमानदार और महत्वाकांक्षी प्रयास लगती है, जो बाजार में खोए हुए स्थान को वापस पाने की कोशिश कर रही है.